समृद्ध बनने की असीम शक्ति

अपने अवचेतन मन की शक्ति से
वह समृद्धि प्राप्त करें जिसके आप हकदार हैं

जोसेफ़ मर्फ़ी, पीएच.डी., डी.डी.

द पॉवर ऑफ़ युअर सबकॉन्शस माइंड के लेखक

Hindi translation of
Your Infinite Power to Be Rich by *Joseph Murphy*

समृद्ध बनने की असीम शक्ति

अपने अवचेतन मन की शक्ति से
वह समृद्धि प्राप्त करें जिसके आप हकदार हैं

जोसेफ़ मर्फ़ी, पीएच.डी., डी.डी.

अनुवाद : डॉ. सुधीर दीक्षित

MANJUL
मंजुल पब्लिशिंग हाउस

First published in India by

Manjul Publishing House Pvt. Ltd
Corporate Office:
2nd Floor, Usha Preet Complex,
42 Malviya Nagar, Bhopal. INDIA-462003
Email: manul@manjulindia.com
Website: www.manjulindia.com

Sales & Marketing Office:
7/32, Ground Floor, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi- 110002
Email: Sales@manjulindia.com

Hindi translation of ***YOUR INFINITE POWER TO BE RICH***
By Joseph Murphy, Ph.D., D.D.

Copyright © 1996 by Parker Publishing Company, Inc

All rights reserved including the right of reproduction in whole or in part in any from. This edition published by arrangement with **Prentice Hall Press**, a member of Penguin Group (USA) Inc.

This edition first published in 2012
Second impression 2014

ISBN 978-81-8322-276-1

Translation by Dr. Dixit

Printed & bound in India by Thomson Press (India) Ltd.

All right reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any from, or by any means (electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise) without the prior written permission of the publisher. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

यह पुस्तक आपको कैसे लाभ पहुँचा सकती है

यह पुस्तक इस प्रकार लिखी गई है कि इस पर अमल करना बहुत व्यावहारिक हो। यह उन स्त्री-पुरुषों के लिए लिखी गई है जिन्हें पैसों की ज़रूरत है और जो उस दौलत को खोज रहे हैं, जो जीवन उन्हें दे सकता है।

यह उन लोगों के लिए है, जो तुरंत परिणाम चाहते हैं। इसमें ज़मीन से जुड़ी सरल तकनीकें विस्तार से बताई गई हैं; आपको तो बस अपने मन में उन पर अमल करने की इच्छा जागृत करनी है। आगे दिए पन्नों में आपको इन तकनीकों के विशेष विवरण और उदाहरण मिलेंगे, जिनसे आप समझ लेंगे कि उनका इस्तेमाल करके आप सहजता से दौलत कैसे पा सकते हैं।

इस पुस्तक में बताए गए मस्तिष्क के बुनियादी नियमों पर आप उतना ही विश्वास कर सकते हैं जितना कि आप एडिसन या आइंस्टीन के विद्युत या गणित के नियम-सिद्धांतों पर करते हैं। यही नहीं, इनके द्वारा आप उनके जितने ही निश्चित और सटीक परिणाम भी पा सकते हैं।

इस पुस्तक को मैंने सादगीपूर्ण सहज शैली में लिखा है, ताकि बारह साल का लड़का भी इसमें बताई तकनीकों को समझ सके और उन पर अमल कर सके।

इस पुस्तक में उन लोगों के बहुत से उदाहरण दिए गए हैं, जो मानसिक और आध्यात्मिक नियमों का इस्तेमाल करके समृद्ध बने। मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ कि वे किसी ख़ास धर्म के नहीं थे। यही नहीं, वे हर आय वर्ग और हर सामाजिक स्तर के थे। उनमें बस यही समानता थी कि उन सभी ने एक विशेष तकनीक से सोचा, अपने अवचेतन मन की शक्ति का सही तरीक़े से इस्तेमाल किया और फलस्वरूप दौलत इकट्ठी की।

इस पुस्तक में शामिल कुछ उदाहरणों की संक्षिप्त झलक नीचे देखें:

- किस प्रकार एक सेल्समैन ने एक वर्ष के भीतर ही अपनी सालाना आमदनी 5,000 डॉलर से बढ़ाकर 50,000 डॉलर कर ली?
- किस प्रकार बहुत से लोग बिलों का भुगतान करने के लिए एक जादुई फ़ॉर्मूला अपनाते हैं और बेहतरीन परिणाम पाते हैं?
- किस प्रकार लॉस एंजेलिस का एक व्यवसायी मिलियन डॉलर-फ़ॉर्मूले पर चला और फिर “कंगाली” से करोड़ों की स्टोर चेन का मालिक बन गया?
- किस प्रकार छुटपुट काम करने वाला एक बढ़ई अट्टालिकाओं का निर्माता बना और उसने बहुत सारी दौलत इकट्ठी कर ली?
- किस प्रकार एक दिवालिया आदमी ने अमीरी के तीन विशिष्ट क़दमों पर अमल किया और इसके बाद जीवन में दिन दूनी रात चौगुनी तरक़्क़ी की?
- किस प्रकार एक दौलतमंद खनिक ने अमीरी का विचार अपने बेटे को बताया, जो आज एक मशहूर सर्जन है और उसकी कहानी में अमीरी की कुंजी छिपी हुई है?
- किस प्रकार मि. टाइंग ने सत्य के युगों-युगों पुराने सबक़ पर अमल किया और एक मल्टीमिलियन-डॉलर कॉरपोरेशन की स्थापना की? किस प्रकार उन्होंने बाइबल से दौलत का फ़ॉर्मूला सीखा और इसे कारगर साबित कर दिया?
- किस प्रकार कवि, लेखक चित्रकार, वैज्ञानिक और व्यवसायी अपने भीतर के असीमित ख़जाने में से दौलत

निकालते हैं?

- दस वर्ष का एक लड़का जहाँ भी जाता है, लगातार धनराशियों के उपहार किस प्रकार पाता है?
- किस प्रकार मानसिक और आध्यात्मिक नियमों के ज्ञान के संदर्भ में समृद्ध बनें तथा यह अहसास करें कि इसके बाद जीवन की सभी अच्छी चीज़ें आपके पास अपने आप आ जाएँगी?

समृद्ध बने बिना आप पूर्ण और ख़ुशहाल जीवन नहीं जी सकते! अमीर बनने का एक तर्कसंगत और विज्ञानसम्मत उपाय है, जो इस पुस्तक में बताया जा रहा है। यदि आप समृद्ध ख़ुशहाल और सफल जीवन की फ़सल काटना चाहते हैं, तो आपको इस पुस्तक का बार-बार अध्ययन करना चाहिए। यह आपसे जो करने को कहती है, वह निर्दिष्ट तरीक़े से करें। जब आप ऐसा करेंगे, तो ज़्यादा भव्य, ज़्यादा श्रेष्ठ, ज़्यादा ख़ुशहाल ज़्यादा समृद्ध और ज़्यादा महान जीवन की राहें आपके सामने खुल जाएँगी।

इस पन्ने के बाद हम साथ-साथ जीवन की दौलत की ओर आगे बढ़ेंगे।

विषय सूची

1. असीमित ख़जाना

2. दौलत आपके चारों ओर है

3. ज्ञान ही दौलत है

4. ईश्वर के साथ साझेदारी करें

5. प्रार्थना करके अमीर कैसे बनें

6. दान का जादुई नियम

7. अमीर लोग ज़्यादा अमीर बनते हैं

8. मूर्त दौलत कैसे उत्पन्न करें

9. सारा व्यवसाय ईश्वर का है

10. वृद्धि का नियम

11. कल्पना के चित्र और संपन्नता

12. ऊर्ध्वगामी और समृद्ध बनें

13. कृतज्ञ हृदय संपन्नता को आकर्षित करता है

14. आपके शब्दों की शक्ति द्वारा दौलत के चमत्कार

15. मौन की अद्भुत दौलत

अध्याय एक

असीमित ख़ज़ाना

बाइबल में कहा गया है, मैं यहाँ इसलिए आया हूँ ताकि लोगों को जीवन मिल सके और वे इसे ज़्यादा संपन्नता के साथ जी सकें। (जॉन 10: 10)

आप यहाँ भरा-पूरा और ख़ुशहाल जीवन जीने आए हैं। आप यहाँ ईश्वर को महिमामंडित करने और उसका चिर आनंद लेने के लिए आए हैं। सृष्टि की सारी आध्यात्मिक, मानसिक और भौतिक समृद्धि ईश्वर की देन है। इसीलिए हर प्रकार की समृद्धि अपने आप में अच्छी है तथा उसका अच्छा उपयोग किया जा सकता है।

ईश्वर ही सब कुछ देता है और सारे उपहार ईश्वर के दिए हुए हैं; मनुष्य तो सिर्फ़ लेता है। ईश्वर मनुष्य के हृदय में वास करता है। इसका अर्थ यह है कि असीमित दौलत का ख़जाना आपके भीतर तथा चारों ओर हमेशा मौजूद है। जब आप मस्तिष्क के नियम सीख लेते हैं तो इसके बाद आप अपने भीतर के असीमित भंडार से अपनी ज़रूरत की हर वह चीज़ निकाल सकते हैं, जिससे आपको भव्य, ख़ुशहाल और समृद्ध जीवन जीने में मदद मिले।

समृद्ध बनने का आपका अधिकार

आप समृद्ध बनने के लिए जन्मे हैं। आप ईश्वर की दी हुई क्षमताओं का उपयोग करके और असीम के साथ सामंजस्य में आकर समृद्ध बनते हैं। जब आपका मस्तिष्क सृजनात्मक और अच्छे विचारों से भरपूर हो जाता है, तो आपका श्रम भी अधिक सार्थक होता है और आपको सभी प्रकार की भौतिक समृद्धि दिलाता है।

हृदय में ईश्वर के साथ एकरूप होने की भावना से ही आप अमीर बनते हैं। आप अपने मानसिक नज़रिए और आस्था के अनुरूप ही सभी अच्छी चीज़ो में अमीर होते हैं। असीमित ख़ज़ाने की सारी दौलत - भीतर की भी और बाहर की भी - आपकी है और आप उसका आनंद ले सकते हैं।

ग़रीबी में एक भी सद्‌गुण नहीं होता। वास्तव में यह एक मानसिक रोग है और पृथ्वी से इसका समूल नाश कर देना चाहिए। आप जीवन में अपनी सच्ची जगह खोजने के लिए यहाँ आए हैं। आप संसार को अपनी प्रतिभा से लाभान्वित करने के लिए यहाँ आए हैं। आप ईश्वर प्रदत्त क्षमताओं को एक अद्‌भुत अंदाज़ में प्रकट करने और विस्तार करने के लिए यहाँ आए हैं। आप आध्यात्मिक, मानसिक और भौतिक दौलत को उजागर करने के लिए यहाँ आए हैं, ताकि मानव जाति को अनगिनत तरीक़ों से लाभ हो। ख़ुद को सौंदर्य और विलासिता की वस्तुओं से घेर लेने का उपाय सीखें। यह अहसास करें कि जीवन, स्वतंत्रता और मानसिक शांति आपका अखंड अधिकार है।

ईश्वर की असीमित शक्ति, सौंदर्य और समृद्धि को प्रकट करना, मंचित करना, चित्रित करना तथा व्यक्त करना आपका दैवीय अधिकार है।

समृद्ध बनने का विज्ञान

सृष्टि नियमों के अनुसार चलती है। ऐसे कुछ निश्चित नियम और सिद्धांत हैं, जो हमारे सारे अनुभवों, परिस्थितियों और जीवन में होने वाली घटनाओं को नियंत्रित करते हैं। हर चीज़ के मूल में कारण और परिणाम का निश्चित नियम है। समृद्ध बनने का विज्ञान आस्था के नियम पर आधारित है। यदि आप विश्वास कर सकते हैं, तो विश्वासी के लिए सारी चीज़ें संभव हैं (मार्क 9:23)। जीवन का नियम वास्तव में विश्वास का नियम है। विश्वास करने का अर्थ है किसी चीज़ को सच मानना। संपन्न जीवन, ख़ुशहाल जीवन, सफल जीवन में विश्वास करें। जब आप सर्वश्रेष्ठ की सुखद आशा करेंगे, तो आपकी ओर हमेशा सर्वश्रेष्ठ ही आकर्षित होगा। मनुष्य का विश्वास ही दौलत या ग़रीबी सफलता या असफलता और स्वास्थ्य या रोग पैदा करता है। सृष्टि का अकाट्य